भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी कायपत्रिका -1

धूल – प्रश्नोत्तर

तैयार किया गया : श्रीमती बीना स्टिफन

दिनांक : _____ छात्र /छात्रा का नाम : _____

कक्षा : IX "ब"

1.	लेखक ने धूल और मिट्टी म क्या अंतर बताया है ?	
उ.	लेखक ने कहा है कि मिट्टी और धूल म उतना ही अंतर है जितना शब्द और रस म, देह और प्राण म, चाँद और चाँदनी म होता है। मिट्टी को आभा का नाम धूल है और मिट्टी के रंग-रूप को पहचान धूल से ही होती है।	
2.	अखाड़े की मिट्टी का क्या विशेषता(charecteristics/special) है ?	
उ.	अखाड़े की मिट्टी विशेष होती है। वह तेल और मट्ठे से सिझाई(roasted) हुई होती है। जब वह पसीने से लथपथ शरीर पर फसलती है तो ऐसा लगता है मानो आदमी कुआँ खोदकर निकला हो।	
3.	धूल ,धूलि, धूली, धूरि और गोधूलि की व्यंजनाओं को स्पष्ट कीजिए।	
उ.	मिट्टी इस भौतिक संसार की जननी है। रूप, रस, गंध ,स्पश के सभी भेद इसी मिट्टी म से जन्म लेते ह। मिट्टी के दो रूप ह - उज्वल तथा मलिन। मिट्टी को जो आभा है उसका नाम है धूल। यह मिट्टी का शृंगार है। यह एक प्रकार से मिट्टी को ऊपरी परत है जो गोधूलि के समय आसमान म उड़ती है और चाँदनी रात म गाड़ियाँ के पीछे- पीछे के शृंगार पर मुख के शिशुओं या पर पंखुड़ियाँ को फूलाँ यह। है होती खड़ी उठ-- समान सुशोभित होती है। 'गद' मैल को कहते ह।	
4.	' धूल' पाठ के आधार पर बताइए कि हमारी सभ्यता धूल से क्यों बचना चाहती है ?	
उ.	हमारी सभ्यता धूल को गद समझती है। वह बनावटी प्रसाधन -सामग्री और सलमे - सितारों म ही सौंदय मानती है। गाँव को धूल म उन सलम-सितारों के धुँधले पड़ने को आशंका होती है। इसलिए वह धूल से अथात् ग्राम्य संस्कृति से बचना चाहती है।	
5.	लेखक 'बालकृष्ण' के मुँह पर छाई गोधूलि को श्रेष्ठ क्यों मानता है ?	
उ.	लेखक बाल कृष्ण के मुँह पर छाई गोधूलि को श्रेष्ठ मानता है क्योंकि यह उनके मुख के सौंदय को कई गुना बढ़ा देती है और बनावटी प्रसाधन सामग्री(artificial make-up)को निरथकता (useless) प्रकट कर देती है। फूल के ऊपर जो रेणु(dust) उसको शोभा बनती है, वही धूल शिशु के मुँह पर उसको सहज (natural)शारीरिक कांता को निखार देती है। बनावटी प्रसाधन उसे वह सौंदय प्रदान नहीं कर सकते जो धूल करती है।	

6.	ग्रामीण परिवेश म प्रकृति धूल के कौन-कौन से सुंदर चित्र प्रस्तुत करती है ?	
उ.	ग्रामीण परिवेश म प्रकृति धूल के निम्नलिखित सुंदर चित्र प्रस्तुत करती है- (i) ग्रामीण परिवेश म बच्चे धूल से सने(covered) दिखाई देते ह । (ii) अखाड़ों मे भी धूल का प्रभाव दिखाई देता है । अखाड़े को मिट्टी तेल और मट्ठे से सिझाई (roasted) होती है । (iii)गाँव म सायंकाल पशुओं के खुरों(toes) से धूल उड़ाती दिखाई देती है ।	
7.	'हीरा वही धन चोट न टूटे' – का संदभ(reference) पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	
उ.	पाठ म बताया गया है कि असली हीरा वही है जो हथौड़े की चोट से टूटे नहीं । इससे उसकी अटूटता का प्रमाण मिलता है । हाँ, काँच चोट से अवश्य टूट जाता है । वह उलटकर हम पर वार भी करता है । हीरे अमर ह और अमरता का प्रमाण भी देते ह ।	
8.	श्रद्धा, भक्ति, स्नेह की व्यंजना के लिए धूल सर्वोत्तम साधन किस प्रकार है ?	
उ.	(i)धूल का स्पश करके हम उस धरती की मिट्टी के प्रति श्रद्धा प्रकट करते ह । (ii) धूल का मस्तक पर लगाकर हम देश के प्रति भक्ति-भावना का परिचय देते ह । (iii)धूल म सने शिशु को चूमकर हम अपने स्नेह को प्रकट करते ह । इस प्रकार धूल, श्रद्धा, भक्ति, स्नेह को व्यंजना करने का सर्वोत्तम साधन है ।	